IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्च विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावकारिता का अध्ययन

[1]मो. मंसूर आलम एवं [2]डॉ० मसूद आलम खान

[1]शोधार्थी, शिक्षा विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार)।

[2]एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ० जाकिर हुसैन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, दरभंगा (बिहार)।

शोध सारांश : वर्तमान अध्ययन में उच्च विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावकारिता का अध्ययन के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान का अनुसरण किया गया है। अध्ययन के लिये वैशाली जिला के 30 सरकारी उच्च विद्यालयों से 100 शिक्षक एंव 100 शिक्षिकाएं तथा 25 निजी उच्च विद्यालय से 100 शिक्षक एंव 100 शिक्षिकाएं का चयन करते हुए कुल 400 प्रतिदर्श का चयनस्तरीकृत यादृच्छिक नमूना तकनीक के द्वारा किया गया है। डेटा Dr. Pramod Kumar एवं Dr. D. N. Mutha द्वारा प्रमाणिकृत "शिक्षक प्रभावकारिता मापनी स्केल (Teachers' Effectiveness scale - TES) के माध्यम से प्राप्त किया गया। परिणाम इंगित करते हैं कि लिंग के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है। शैक्षिक योग्यता के आधार पर उच्चविद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओ के शिक्षक प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है। अनुभव के आधार पर उच्चविद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओ के शिक्षक प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है।

शब्द कुंजी :– उच्च विद्यालयए शिक्षकए शिक्षक प्रभावकारिता।

1. प्रस्तावना (INTRODUCTION) :

शिक्षक बच्चों के व्यक्तित्व को विकसित करने और समाज को वांछित आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि वे न केवल शिक्षा को स्थानांतरित करते हैं बल्कि मूल्यों (Values) का एक समूह जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ले जाते हैं। इसलिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि शिक्षक प्रभावी (Effective) हो। शिक्षक का व्यक्तित्व उनके छात्रों में परिलक्षित होता है क्योंकि वे छात्रों के लिए आदर्श होते हैं। प्रत्येक शिक्षक अपने व्यक्तित्व प्रकार के आधार पर विभिन्न विधियों, रणनीतियों, तकनीकों को अपनाता है जो एक शिक्षक को दूसरे शिक्षक से अलग करता है। प्रभावी शिक्षक (Effective Teachers) उनके संपर्क में आने वालों की संभावनाओं को तलाशने और उजागर करने में सक्षम होते हैं। इसलिए, किसी भी शैक्षिक प्रणाली (Educational System) में कुशल शिक्षक एक साथ लिए गए अन्य सभी शैक्षिक कारकों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है। जब एक शिक्षक पढ़ाता है, तो वह जिस तरह का वातावरण प्रदान करता है, वह उसके छात्रों में पैदा होने वाले परिवर्तनों को निर्धारित करेगा। वह जो कुछ भी करता है, उससे उनके व्यवहार पर फर्क पड़ेगा।

प्रभावी शिक्षक केवल शिक्षक निर्देशित निर्देश (Instruction) पर ही भरोसा नहीं करते हैं बल्कि वे अपने छात्रों को समर्थन और प्रतिक्रिया के रूप में पर्याप्त मात्रा में मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं और इस प्रकार अपने छात्रों में आत्म–नियमन को बढ़ावा देने में सक्षम होते हैं। जैसा कि (1974) ने बताया कि एक प्रभावी शिक्षक के पास बेहतर व्यक्तित्व समायोजन और अनुकूल रवैया होता है। (1977) ने भी कार्य संतुष्टि (Work/Job Satisfaction) और शिक्षक प्रभावकारिता (Teacher Effectiveness) के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाया।

शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक की प्रभावकारिता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक प्रभावी शिक्षक छात्रों की छवि ही नहीं बनाता बल्कि छात्रों की समस्याओं को समझकर और उनकी मदद करके, किसी भी विषय को रोचक बनाकर, कक्षा को नियंत्रित करके और छात्रों के साथ निष्पक्ष रहकर अपनी छवि बनाने में मदद करता है। शिक्षक प्रभावकारिता अनुसंधान का एक महत्त्वपुर्ण क्षेत्र है जो शिक्षकों की विशेषताओं, शिक्षण कृत्यों और शिक्षा पर उनके प्रभाव और कम या ज्यादा प्रभावी शिक्षकों के बीच संबंध तथा उनका सामाजिक आर्थिक स्थिति से संबंधित है। एक शिक्षक को प्रभावी तब कहा जाता है जब शिक्षक ने अपनी भूमिकाओं और कार्यों में आवश्यक क्षमता प्राप्त कर ली हो जैसे कि कक्षा प्रबंधन की तैयारी और योजना, विषय वस्तु का ज्ञान, शिक्षक की विशेषताएं और उनके पारस्परिक संबंध। शिक्षक प्रभावकारिता को अधिकतम करना शिक्षा का एक प्रमुख लक्ष्य है।

शिक्षक प्रभावकारिता कई चरों का उत्पाद है जैसे शैक्षणिक उपलब्धी, विषयगत महारत, बौद्धिक स्तर, बच्चों के लिए प्यार, नौकरी से संतुष्टि, शिक्षण अनुभव, पेशेवर विकास, शिक्षक की आयु, सामाजिक आर्थिक स्थिती, शिक्षण में प्रयुक्त तकनीक आदि। इन सभी चरों में सबसे महत्वपूर्ण चर शिक्षक का ज्ञान, व्यक्तित्व और सबसे बढ़कर छात्रों के साथ उसकी बातचीत है। इसलिए प्रभावी शिक्षक वे हैं जो अपने छात्रों के लिए वांछित परिणाम प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए इच्छित सीखने के परिणाम लाने की क्षमता प्रदर्शित कर सकते हैं।

लेह (2006) ने कहा कि शिक्षकों के शिक्षण अनुभव सकारात्मक रूप से शिक्षक प्रभावकारिता के साथ सहसंबद्ध हैं, लेकिन छात्रों के परीक्षण स्कोर पर शिक्षक योग्यता का कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पाते हैं। प्रभावी शिक्षक योजनाकार, संदेशवाहक, पर्यवेक्षक, मूल्यांकनकर्ता, प्रेरक, मार्गदर्शक और मानव वास्तुकार है।

परिहार (2011) ने देखा कि प्रभावी शिक्षक प्रभावी शिक्षण के मार्ग हैं जो लगातार अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से छात्र सीखने से संबंधित हैं और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपनाई गई रणनीतियों को शिक्षक शिक्षा में बदलती जरूरतों और प्राथमिकताओं के साथ अभिविन्यास और पुनर्रचना की आवश्यकता है।

शैक्षिक प्रयास में सुधार के वर्तमान आंदोलनों में शिक्षक प्रभावकारिता अक्सर एक प्रमुख चिंता का विषय है। शिक्षा प्रणाली की उपयोगिता और प्रभावशीलता काफी हद तक सक्रिय, कल्पनाशील, साधन संपन्न और सक्षम शिक्षकों पर निर्भर करती है। शिक्षक की योग्यता, क्षमता और प्रभावकारिता एक स्कूल को उत्कृष्ट या खराब और समृद्ध या बिगड़ती बना सकती है। इसलिए शिक्षण की गुणवत्ता उन शिक्षकों पर निर्भर करती है जो शिक्षण के लिए कुशल हैं।

2. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व (NEED & SIGNIFICANCE OF THE STUDY) :

शिक्षकों की प्रभाकारिता शिक्षन अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह सम्पूर्ण शैक्षिक कार्यक्रमो का महत्वपूर्ण भाग होता है। इसका अवलोकन तथा आलोचनात्मक विश्लेषण उचीत ढंग से करना चाहिए। शिक्षकों की प्रभाकारिता का छात्रों के शिक्षण अधिगम के परिणामो पर प्रत्यक्ष प्रभाव पडता है। इस संदर्भ में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि प्रभाकारिता के विभिन्न आयाम ६ घटक कौन–कौन से हैं। इसके अतिरिक्त जब तक प्रभावकारिता के विभिन्न स्त्रोतों में सुधार नहीं किया जाता, तब तक शिक्षकों को उनके कार्य के अनुरुप बनाने का कार्य केवल स्वप्न मात्र ही रहेगा। एक शिक्षक प्रभावकारी हो सकता है क्योंकि वह एक बुद्धिमान व्यक्ति होता है तथा उसके शैक्षिक अभिलेख अच्छे होते हैं। शिक्षण की प्रभावकारिता उसके सामंजस्य, शिक्षण योग्यता, शिक्षण व्यवसाय के प्रति उनके अनुकूल दृष्टिकोण तथा उसके अनुकूल सामाजिक, आर्थिक दशा पर निर्भर करती है, जिनको वह अपने कक्षा–कक्ष में प्रदर्शित करता है। सम्बंधित साहित्य का सर्वेक्षण करने के पश्चात् अनुसंधानकर्ता को उच्च विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं की प्रभावकारिता का शिक्षण योग्यता, लिंग तथा शिक्षण अनुभव के संदर्भ में अध्ययन करने के लिए अभिप्रेरित किया।

3. अध्ययन के उद्देश्य (OBJECTIVE OF THE STUDY) :

1. लिंग के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का पता लगाना।
2. शैक्षिक योग्यता के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का पता लगाना।
3. अनुभव के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का पता लगाना।

4. अध्ययन की परिकल्पना (HYPOTHESIS OF THE STUDY) :

1. लिंग के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. शैक्षिक योग्यता के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. अनुभव के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

5. अनुसंधान विधि (RESEARCH METHODOLOGY) :

वर्तमान अध्ययन में शोधार्थी ने वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान (Descriptive Survey Research) का अनुसरण किया।

अध्ययन का नमूना (Sample of Study): अध्ययन के लिये वैशाली जिला के 30 सरकारी उच्च विद्यालयों से 100 शिक्षक एंव 100 शिक्षिकाएं तथा 25 निजी उच्च विद्यालय से 100 शिक्षक एंव 100 शिक्षिकाएं का चयन करते हुए कुल 400 प्रतिदर्श का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना तकनीक के द्वारा किया गया है।

अध्ययन के लिए प्रयुक्त उपकरण (Tool for the Study): शिक्षक शिक्षिकाओं की प्रभावकारिता को मापने के लिए Dr. Pramod Kumar एवं Dr. D. N. Mutha द्वारा प्रमाणिकृत "शिक्षक प्रभावकारिता मापनी स्केल (Teachers' Effectiveness scale - TES) का प्रयोग किया गया है।

6. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या (ANALYSIS AND INTERPRETATION OF DATA) :

तालिका 4.1 पुरुष और महिला शिक्षकों के शिक्षक प्रभावकारिता के बीच तुलना।

लिंग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	ज्ञात टी. मूल्य	तालिका से प्राप्त टी. मूल्य	परिणाम
पुरुष	200	283.66	13.681	3.062	1.975	सार्थक अंतर है।
महिला	200	278.82	17.677			

सार्थकता स्तर 0.05; स्वतंत्रता कोटि 398

तालिका 4.1 से ज्ञात होता है कि उच्च विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य (Mean) 283.66 तथा मानक विचलन (S.D) 13.681 है और महिला शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य (Mean) 278.82 तथा मानक विचलन (S.D) 17.677 है। जबकि पुरुष और महिला शिक्षकों के शिक्षक प्रभावकारिता का ज्ञात टी. मूल्य (t-value) 3.062 है जो कि टी. मूल्य के तालिका पर सार्थकता स्तर (LS) 0.05 तथा स्वतंत्रता कोटि (D.F) 398 से प्राप्त टी. मूल्य 1.975 से अधिक हैं। अर्थात् सार्थक अंतर है। इससे ज्ञात होता है कि लिंग के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है क्योंकि महिला शिक्षिकाओं की तुलना में पुरुष शिक्षकों की शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य अधिक है। अतः अनुसंधानकर्ता के द्वारा बनाया गया नल परिकल्पना–1 को अस्वीकृत किया जाता है। ग्राफ 4.1 देखें।

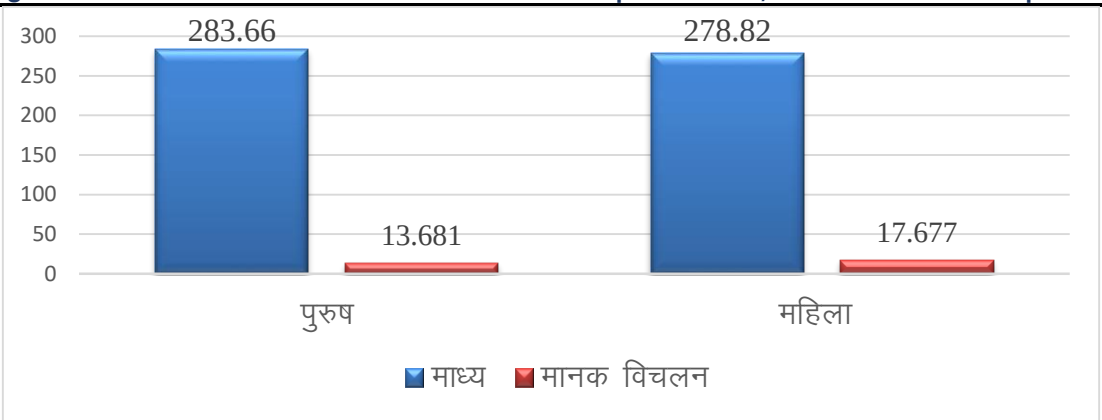

तालिका 4.2 पुरुष और महिला शिक्षकों के शिक्षक प्रभावकारिता के कारकों के बीच तुलना।

शिक्षक प्रभावकारिता के कारक	पुरुष		महिला		ज्ञात टी. मूल्य	परिणाम
	माध्य	मानकविचलन	माध्य	मानकविचलन		
शैक्षणिक	59.52	5.595	59.48	5.658	0.071	सार्थक अंतर नहीं है।
व्यावसायिक	53.24	5.231	51.45	5.043	3.483	सार्थक अंतर है।
समाजिक	46.32	3.792	45.58	3.642	1.95	सार्थक अंतर नहीं है।
भावनात्मक	34.33	2.602	33.54	2.171	3.296	सार्थक अंतर है।
नैतिक	40.63	2.914	40.09	3.029	1.816	सार्थक अंतर नहीं है।
व्यक्तित्व	49.62	3.667	48.67	3.747	2.562	सार्थक अंतर है।

सार्थकता स्तर 0.05; स्वतंत्रता कोटि 398, तालिका से प्राप्त टी. मूल्य 1.975

तालिका 4.2 से ज्ञात होता है कि उच्च विद्यालय के पुरुष शिक्षकों के शिक्षक प्रभावकारिता के प्रथम कारक "शैक्षणिक" का माध्य 59.52, मानक विचलन 5.595 और महिला शिक्षकों का माध्य 59.48, मानक विचलन 5.658 है तथा ज्ञात टी. मूल्य 0.071 है। शिक्षक प्रभावकारिता के द्वितीय कारक "व्यावसायिक" में पुरुष शिक्षकों का माध्य 53.24, मानक विचलन 5.231 और महिला शिक्षकों का माध्य 51.45, मानक विचलन 5.043 तथा ज्ञात टी. मूल्य 3.483 है। शिक्षक प्रभावकारिता के तृतीय कारक "समाजिक" में पुरुष शिक्षकों का माध्य 46.32, मानक विचलन 3.792 और महिला शिक्षकों का माध्य 45.58, मानक विचलन 3.642 तथा ज्ञात टी. मूल्य 1.95 है। शिक्षक प्रभावकारिता के चतुर्थ कारक "भावनात्मक" में पुरुष शिक्षकों का माध्य 34.33, मानक विचलन 2.602 और महिला शिक्षकों का माध्य 33.54, मानक विचलन 2.171 तथा ज्ञात टी. मूल्य 3.296 है। शिक्षक प्रभावकारिता के पांचवें कारक "नैतिक" में पुरुष शिक्षकों का माध्य 40.63, मानक विचलन 2.914 और महिला शिक्षकों का माध्य 40.09, मानक विचलन 3.029 तथा ज्ञात टी. मूल्य 1.816 है। शिक्षक प्रभावकारिता के छठे कारक "व्यक्तित्व" में पुरुष शिक्षकों का माध्य 49.62, मानक विचलन 3.667 और महिला शिक्षकों का माध्य 48.67, मानक विचलन 3.747 तथा ज्ञात टी. मूल्य 2.562 है।

तालिका से यह भी ज्ञात होता है कि शिक्षक प्रभावकारिता के तीन कारक (जैसे – शैक्षणिक, समाजिक, और नैतिक) में पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच ज्ञात किया गया टी. मूल्य, टी. मूल्य के तालिका पर सार्थकता स्तर 0.05 तथा स्वतंत्रता कोटि 398 से प्राप्त टी. मूल्य 1.975 से कम है. अर्थात् सार्थक अंतर नहीं है जबकि शिक्षक प्रभावकारिता के तीन कारक (जैसे –व्यावसायिक, भावनात्मक, और व्यक्तित्व) में पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच ज्ञात किया गया टी. मूल्य, टी. मूल्य के तालिका पर सार्थकता स्तर 0.05 तथा स्वतंत्रता कोटि 398 से प्राप्त टी. मूल्य 1.975 से अधिक है अर्थात् सार्थक अंतर है। ग्राफ 4.2 देखें।

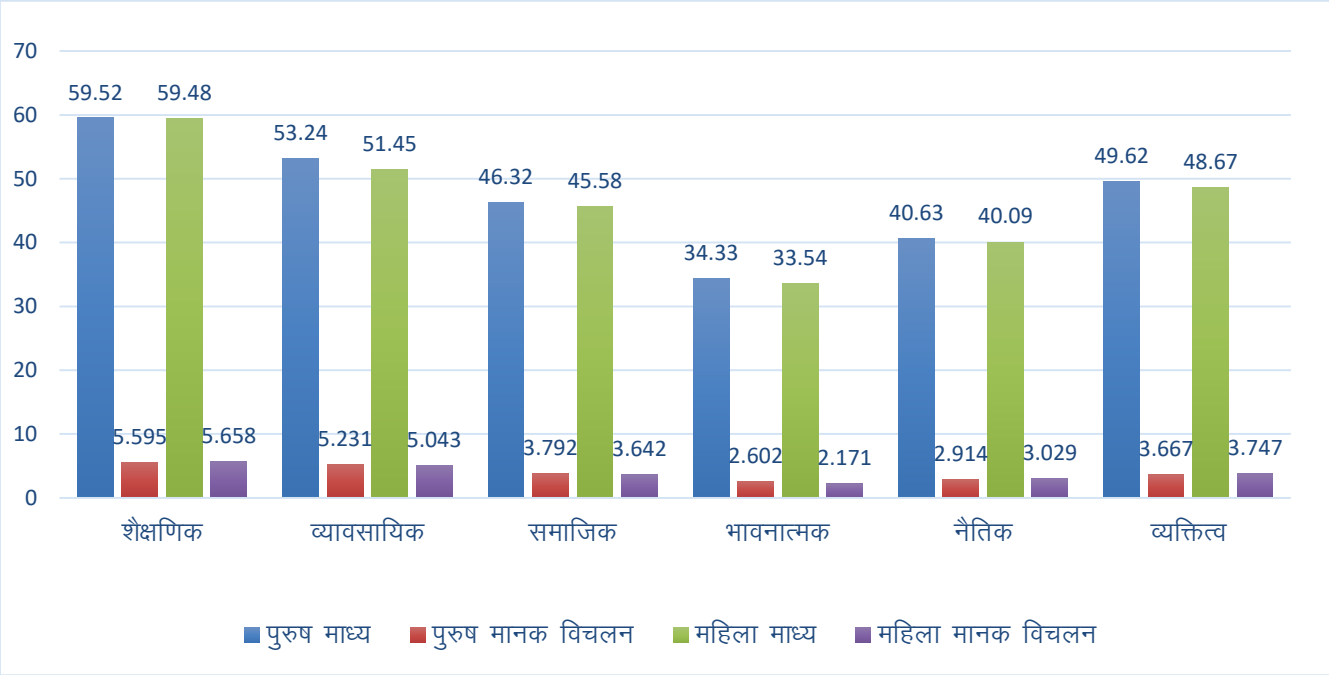

तालिका 4.3

शैक्षिक योग्यता के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता के बीच तुलना।

योग्यता	संख्या	माध्य	मानक विचलन	ज्ञात टी. मूल्य	तालिका से प्राप्त टी. मूल्य	परिणाम
B.A. & B.Ed.	160	272.68	16.583	9.389	1.975	सार्थक अंतर है।
M.A. & B.Ed.	240	289.8	19.628			

सार्थकता स्तर 0.05; स्वतंत्रता कोटि 398

तालिका 4.3 से ज्ञात होता है कि उच्च विद्यालय के B.A. – B.Ed. योग्यताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य (Mean) 272.68 तथा मानक विचलन (S.D) 16.583 है और M.A. & B.Ed. योग्यताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य (Mean) 289.8 तथा मानक विचलन (S.D) 19.628 है। जबकि B.A. & B.Ed. और M.A. & B.Ed. योग्यताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का ज्ञात टी. मूल्य (t-value) 9.389 है जोकि टी. मूल्य के तालिका पर सार्थकता स्तर (LS) 0.05 तथा स्वतंत्रता कोटि (D.F) 398 से प्राप्त टी. मूल्य 1.975 से अधिक है अर्थात् सार्थक अंतर है। इससे ज्ञात होता है कि शैक्षिक योग्यता के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओ के शिक्षक प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है, क्योंकि B.A. – B.Ed. योग्यताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं की तुलना में M.A. – B.Ed. योग्यताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य अधिक है। अतः अनुसंधानकर्ता के द्वारा बनाया गया नल परिकल्पना –2 को अस्वीकृत किया जाता है। ग्राफ 4.3 देखें।

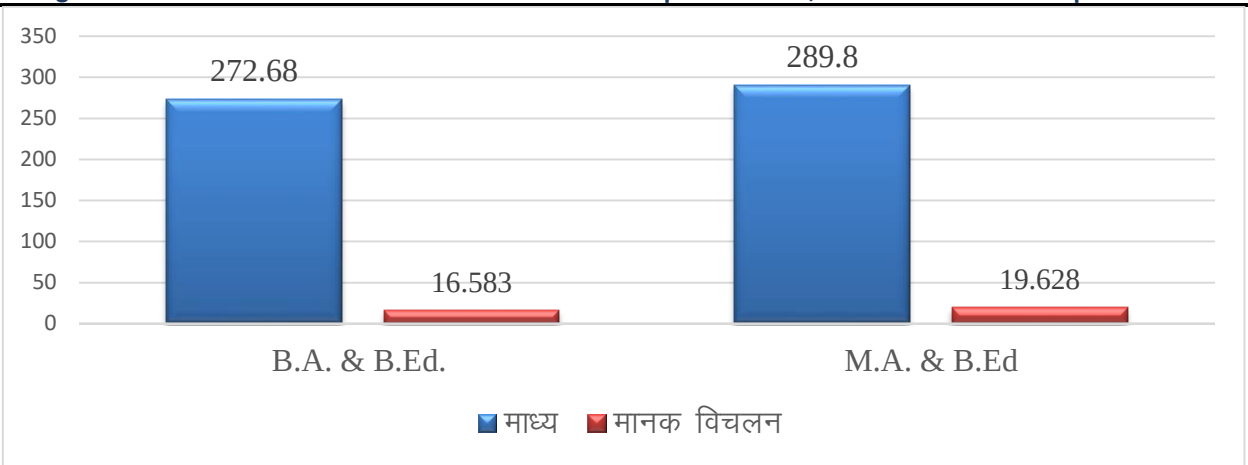

तालिका 4.4 अनुभव के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता के बीच तुलना।

अनुभव	संख्या	माध्य	मानक विचलन	ज्ञात टी. मूल्य	तालिका से प्राप्त टी. मूल्य	परिणाम
10 वर्ष और अधिक	220	289.82	16.677	10.937	1.975	सार्थक अंतर है।
10 वर्ष से कम	180	272.66	14.681			

सार्थकता स्तर 0.05; स्वतंत्रता कोटि 398

तालिका 4.4 से ज्ञात होता है कि 10 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य (Mean) 289.82 तथा मानक विचलन (S.D) 16.677 है और 10 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव वाले उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य (Mean) 272.66 तथा मानक विचलन (S.D) 14.681 है। जबकि 10 वर्ष से अधिक और 10 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव वाले उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का ज्ञात टी. मूल्य (t-value) 10.937 है जोकि टी. मूल्य के तालिका पर सार्थकता स्तर (LS) 0.05 तथा स्वतंत्रता कोटि (D.F) 398 से प्राप्त टी. मूल्य 1.975 से अधिक है अर्थात् सार्थक अंतर है। इससे ज्ञात होता है कि अनुभव के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओ के शिक्षक प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है, क्योंकि 10 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव वाले उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं की तुलना में 10 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता का माध्य अधिक है। अतः अनुसंधानकर्ता के द्वारा बनाया गया नल परिकल्पना –3 को अस्वीकृत किया जाता है। ग्राफ 4.4 देखें।

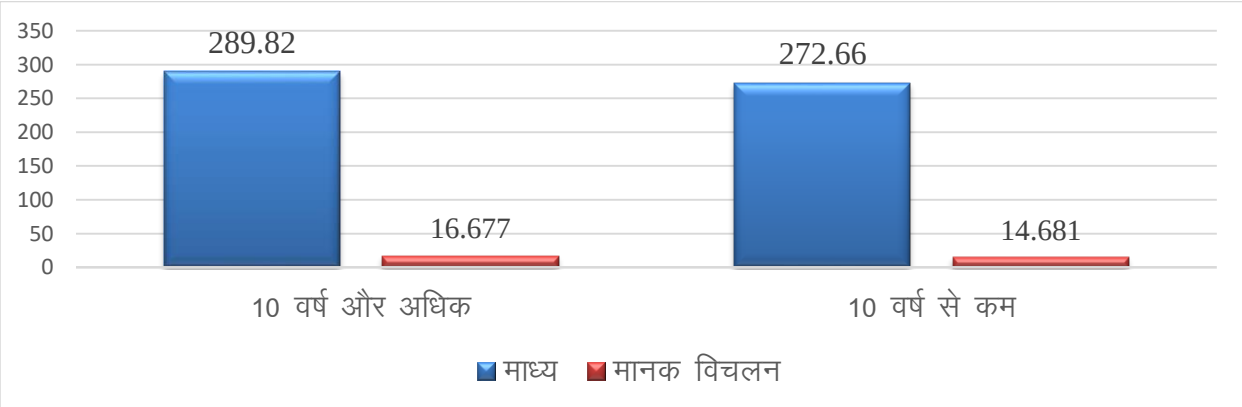

7. परिणाम (RESULTS) :–

1) लिंग के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है।

2) शिक्षक प्रभावकारिता के तीन कारक (जैसे – शैक्षणिक, समाजिक, और नैतिक) में पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच् सार्थक अंतर नहीं है जबकि शिक्षक प्रभावकारिता के तीन कारक (जैसे –व्यावसायिक, भावनात्मक, और व्यक्तित्व) में पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच सार्थक अंतर है।

3) शैक्षिक योग्यता के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओ के शिक्षक प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है, क्योंकि B.A. & B.Ed. योग्यताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं की तुलना में M.A. & B.Ed. योग्यताधारी शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता अधिक है।

4) अनुभव के आधार पर उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओ के शिक्षक प्रभावकारिता में सार्थक अंतर है, क्योंकि 10 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव वाले उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं की तुलना में 10 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले उच्च विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं के शिक्षक प्रभावकारिता अधिक है।

8. निष्कर्ष (CONCLUSION) :–

वर्तमान अध्ययन शैक्षिक विचारकों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं, प्रशासकों के साथ–साथ सरकारों और अन्य लोगों के लिए महत्व रखता है जो शिक्षा के क्षेत्र से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। शिक्षकों की प्रभावकारिता, योग्यता, अनुभव को शिक्षा के साथ–साथ स्कूलों की भविष्य की उपलब्धि के लिए महत्वपूर्ण कारकों के रूप में स्वीकार किया गया है। शिक्षकों की योग्यता और अनुभव उनकी पेशेवर प्रभावशीलता के साथ दृढ़ता से जुड़ा हुआ है।

इसका तात्पर्य यह है कि अनुभवी और उच्च योग्यता वाले शिक्षकों के पास अपने स्वयं के अभ्यास में नवाचार और नए विचारों को आत्मसात करने की क्षमता होती है, साथ ही साथ वे अपने छात्रों की उपलब्धि को प्रभावित करते हैं, और उनके पाठों के साथ–साथ स्कूल के प्रति दृष्टिकोण भी रखते हैं। शिक्षकों की सोच को स्वस्थ और फलदायी बनाए रखने के लिए एक सकारात्मक और बढ़ते दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

इस प्रकार अध्ययन से यह स्पष्ट है कि शिक्षकों की समग्र प्रभावकारिता उनके अनुभव, योग्यता, संस्थानों के प्रकार और लिंग के साथ–साथ सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर निर्भर करती है। अतः यह समझा जा सकता है कि शिक्षकों की प्रभावकारिता बढ़ाने के लिए उनके अस्तित्वगत अर्थ को बढ़ाने का प्रयास किया जा सकता है।

संदर्भ :–

[1] कुमार, पी. और मुथा, डी.एन. (1974). माध्यमिक शिक्षकों के लिए शिक्षक प्रभावकारिता पैमानाः इसका विकास और मानकीकरण। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोमेट्री एंड एजुकेशन, वॉल्यूम 5 (2), पृष्ठ संख्या 56–59।

[2] कलाइवानी और पुगलेंथी (2015)। ''कुछ जनसांख्यिकीय चर के संबंध में शिक्षण पेशे की ओर हाई स्कूल शिक्षकों की शिक्षण योग्यता'', शनलैक्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, 3 (2), 69–75।

[3] अमनदीप और गुरप्रीत (2005) शिक्षण योग्यता के संबंध में शिक्षक प्रभावकारिता का एक अध्ययन। रीसेंट रेसर्चेस इन एजुकेशन एंड साइकोलॉजी। वॉल्यूम 71(6) पृष्ठ संख्या 137–140।

[4] मैग्नो, सी. और सेम्ब्रानो, जे. (2008), शिक्षण प्रभावशीलता, प्रदर्शन, और शिक्षार्थी–केन्द्रित प्रथाओं के उपयोग पर शिक्षक प्रभावकारिता और विशेषताओं की भूमिका। एशिया–प्रशांत शिक्षा शोधकर्ता। DOI:10.3860/taper.v16i1.93 https://www.researchgate.net/publication/240822522

[5] डी. कोस्टा, सी. (2010), माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता और बहु–बुद्धि के बीच संबंध का अध्ययन।
http://wikieducator.org/A_Study_of_the_Relationship_Between_Teacher_Effectivenes_and_Multiple_Intelligence_of_Secondary_School_Teachers

[6] एम, पी.एम. (2013) अहमदाबाद जिले के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता का अध्ययन। व्यवहारिक सामाजिक और आंदोलन विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 02 (02)। पृष्ठ संख्या 62–76। www.ijobsms.in

[7] ठाकुर, ए. एस, और ठाकुर, ए. (2014), टीचर इन इमर्जिंग इंडियन सोसाइटी, आगरा, अग्रवाल पुब्लिकेशन्स ISBN– 978–93–82355–87–8.

[8] कोठारी, सी. आर. (2013), रिसर्च मेथोडोलॉजी मेथड्स एंड टेक्निक्स, नई दिल्ली, न्यू ऐज इंटरनेशनल पब्लिशर्स, प्राइवेट लिमिटेड.

[9] हेनरी ई. गरेट (2014), शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग, नई देल्ही, कल्याणी पब्लिशर्स, ISBN–81–7096–103–3.

[10] लोकेश कौल (2014), मेथोडोलॉजी ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, नॉएडा (उत्तर प्रदेश), विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड ISBN 978–81259–2796–9.